

Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	

Sanskrit Honours

CC-T-09 of 2021

Date - 01/09/2024

Boalia

4) (i) का पल्लु सूक्तिद्वयी? आ कमाश्रित विवर्तिता
त्वति?

Ans:- कविदाक एव सूक्तिद्वयी । आ कवीना
पञ्चाङ्गुलिद्वयम् श्रुतलक्ष्मीमाश्रितं पञ्चाङ्गुलि-
-सूक्तं इष्टमाश्रित विवर्तिता त्वति ।

(ii) 'नमो नमो वीर्ययुष्माकस्मिन्' - कः केषुः
नमति?

Ans:- अत्र कविः देवाप्रसादद्विवेकी आत्तुअसुवमिति
काये द्वितीयार्गे वीर्ययुष्मिकेन्द्रेणः नमति
ये वीराः ब्रह्म आ ब्रह्माः कृतवतः विदेशिनाः
याकेअवृद्धिम् ।

P. 22, श्लोक-8.

(iii) 'डाक्यव' इति नाटकम् अङ्कतानुकम्बनं केन
कृतम्? तत्र पित्रुर्नाम किम्?

Ans:- 'डाक्यव' इति नाटकम् अङ्कतानुकम्बनं
आचार्यध्यानेशनाथायन-चक्रवर्तिना कृतम् ।

तत्र पित्रुर्नाम आसीत् श्रीविश्वेश्वरकर्मा ।

(iv) 'आओ तु चक्षलः किशोरः' - कः
चक्षलः किशोरः? यङ्गु! तेन अह
कः अस्मकः?

P. 30.

Always bear in mind that your own resolution to succeed is more important than any other. - Abraham Lincoln

Notes

Appointment

Meeting

11

JAN ■ THU

Week - 02 ■ (08-355)

January 2024

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

Ans: বাৰ্জগৃহ্যটো নামক: অমল: অস্তি
চক্ৰল: কিম্বদ:।

বক্ত: মাধবদত্তম্য ~~অমল~~ তাম্যয়া: গ্রামসম্বলকন
আত্মজ্ঞত: অস্তি অমল:।
(মাধবদত্ত, P.32. অমল P.36)

(v) 'নাহং পড়িতো ভবিষ্যামি' - ক: পড়িতো
ভবিষ্যম্ ন ইচ্ছতি? কে কেন কাৰণে?

Ans: বাৰ্জগৃহ্য নামক: অমল: পড়িতো
ভবিষ্যম্ ন ইচ্ছতি।

পড়িতা: একবলং
গৃহ অমায়ীনা: অত: পুস্তকানি পঠতি।
অন্যত্র তেষাং দুষ্টি: ন পঠতি। পড়িতু
অমল: সৰ্বং ভবিষ্যম্ ইচ্ছতি। অত: স
পড়িতো ন ভবত।

P. 38.

(vi) 'সত্যান্মি কদাচিৎ পাবম্' - ক: কস্য
পাবং সমিষ্ণুতি? কসংবলম্?

Ans: ধীৰ: সঃ পাবমুদ্রম্য পাবং সমিষ্ণুতি।
অত্র কবি: জ্ঞানান্ ধীৰব্রহ্মণ্য কল্পয়তি।
স: জীবনলোকাম্ অবলম্ভ্য পাবং সমিষ্ণুতি।
দৃঢ়অংকলন এত ভবিষ্যতি।

p.154.

(vii) * ব্রুহি কোহ্মিন্ মুজে কান্দিদাম্মতে-

Adopt the pace of nature: her secret is patience. - Ralph Waldo Emerson

14202

Notes

Appointment

Meeting

Ans:- निमिति बीक रणनन र्जो भ्यः प्यः
कनिमिति र्जो अकल्लजीदिकारमा क. श्वि.
- यामाचार्यः श्वेत् । (P. 94. लाक-2).

—X—